बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O) 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू॰ एन॰ सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी॰ एल॰ दास)

Truth Will Triumph

उपाध्यक्ष
फिराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
अर्जुन प्रसाद
कृष्ण मुरारी शर्मा

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

पत्र संख्या..........................

पटना
दिनांक 27.8.2000

प्रेस विज्ञप्ति

सामुहिक अवकाश के चौथे दिन संघ के अध्यक्ष श्री वजीन्द्र नारायण सिंह एवं महासचिव श्री गंगाधर लाल दास ने स्थानीय संघ भवन में उपस्थित सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बिहार प्रशासनिक सेवा के सदस्यों के सामुहिक अवकाश के चलते जहाँ राज्य के सभी जिला पदाधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं, वहीं सरकार के आला पदाधिकारी ने सचिवालय के वरीय पदाधिकारियों को अनुमंडल में प्रतिनियुक्त कर सचिवालय के काम कार्य को ठप्प कर दिया है। यह कितना हास्यास्पद है कि सरकार ने ऐसे पदाधिकारियों को अनुमंडल पदाधिकारी बनाया जो कई जिला के जिला पदाधिकारी रह चुके हैं तथा वर्तमान जिलाधिकारी से वरीय हैं। कई पदाधिकारियों ने तो अपना विरोध सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया है।

संघ के अध्यक्ष एवं महासचिव ने ऐसे कुख्यात आला अफसरों को चुनौती देते हुए कहा कि वे अपने गिरेवान में झाँक कर देखें। सरकारी पैसों पर मौज-मस्ती करने वाले ऐसे पदाधिकारी ही संघ की जायज माँगें, जिन्हें सरकार मान चुकी है, का कार्यान्वयन नहीं कर रहे हैं। बिहार प्रशासनिक सेवा का इतिहास गवाह है कि राज्य की यह सेवा रात-दिन नागरिकों के अमन-चैन बनाये रखने में तत्पर रही है, चाहे वह विधि व्यवस्था संबंधी कार्य हो या प्राकृतिक आपदा/सहाय् संबंधी कार्य।

संघ सरकार से माँग करती है कि चन्द आला अफसरों के चंगुल से मुक्त होकर संघ की माँगों पर गम्भीरता से विचार करें एवं तुरन्त आदेश निर्गत कर समय रहते संघ को अनिश्चित कालीन हड़ताल में जाने को बाध्य न करें। संघ के हड़ताल का परिणाम पिछली बार सरकार देख चुकी है, आखिर जो बेसिक ग्रेड का वेतनमान सरकार पूर्व में दे चुकी है, उसी के प्रतिस्थानी वेतनमान की माँग तो संघ ने की जिस पर सरकारी सहमति भी है। अपर सचिव एवं विशेष सचिव का हमारा पद सरकार द्वारा स्वीकृत एवं चिन्हित है, उसका वेतन सरकार क्यों देना नहीं चाहती। "काम नहीं तो वेतन नहीं" का अर्थ सरकार यह क्यों समझ रही है कि "काम करो परन्तु वेतन नहीं लो"।

केन्द्र सरकार से स्पष्ट निदेश है कि कम से कम दस वर्ष के अनुभव प्राप्त पदाधिकारी को ही जिला का प्रभार दिया जाय फिर क्यों नियुक्ति के पाँचवें वर्ष में जिलाधिकारी बनाया जा रहा है? मुख्य सचिव के वेतनमान में तो मात्र तीन पद स्वीकृत है, क्यों सरकार भा॰प्र॰से॰ के सात पदाधिकारियों को मुख्य-सचिव का वेतनमान

कृ॰पृ॰उ॰----2

बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O), 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू० एन० सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी० एल० दास)

उपाध्यक्ष
फिराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
अर्जुन प्रसाद
कृष्ण मुरारी शर्मा

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

Truth Will Triumph

पत्र संख्या.....

पटना
दिनांक.....

देकर जनता की गाढ़ी कमाई का अपव्यय कर रही है । आयुक्त एवं सचिव के लिए भी स्वीकृति के विपरीत ज्यादा पद दिए गए है । आखिर भा०प्र०से० के पदाधिकारी भी तो राज्य के कोष से ही वेतन प्राप्त करते हैं । क्यों सरकार उन्हें साठ वर्ष की आयु तक कार्य करने के योग्य समझ रही है जबकि फिटमेंट समिति स्पष्ट अनुशंसा के बाद भी राज्य कर्मियों की सेवा निवृति की उम्र 58 वर्ष से 60 वर्ष नहीं किया जा रहा है ?

अतः संघ राज्य सरकार से पुनः मांग करती है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के चन्द गुमराह अफसरों की साजिश को समझे एवं संघ के प्रतिनिधि मंडल से सीधे सम्पर्क में आकर इस आन्दोलनात्मक कार्यक्रम को समाप्त कराने की दिशा में पहल करें अन्यथा बिहार पुलिस सेवा के साथ-साथ अन्य राज्य स्तरीय सेवा के सदस्य भी बिहार प्रशासनिक सेवा के साथ होगें एवं राज्य की स्थिति बद से बदतर होगी, जिसके लिए भी ये चन्द अफसरान सरकार को ही दोषी करार देगें जैसा कि इनकी दारंगी नीति है ।

अंत में संघ के अध्यक्ष एवं महासचिव ने राज्य के तमाम बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी को अपनी एकजुटता बनाये रखने का आहवान करते हुए बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों को उनके संघ द्वारा दिये गये समर्थन के लिए धन्यवाद दिया ।

दिनांक 28.8.2000 को संघ की ब्रॉड-वेस्ड कमिटी की बैठक 11.30 बजे दिन में संघ भवन में आयोहित किया गया है । संघ के जिला इकाई के प्रतिनिधिगण उक्त बैठक में ह अधिक से अधिक संख्या में भाग लेंगें ।

27.8.2000

§ गंगाधर लाल दास §
महासचिव

27/8/2000

§ वजीन्द्र नारायण सिंह §
अध्यक्ष

ज्ञापांक- 144 दिनांक- 27.8.2000.

प्रतिलिपि- निर्देशक, दूरदर्शन पटना/आकाशवाणी, पटना/समाचार सम्पादक, सभी दैनिक हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र, पटना, रांची, धनबाद, डालटेनगंज, एवं ब्योरो प्रमुख/यू०एन०आई०/पी०टी०आई०/एक्सप्रेस मिडिया सर्विस को सूचनार्थ प्रसारण एवं प्रकाशन हेतु प्रेषित ।

§ गंगाधर लाल दास § 27.8.00
महासचिव